AI के सामाजिक प्रभाव एवं चुनौति

मनीषा, सहायक आचार्य, गृह–विज्ञान, राजकीय कन्या महाविद्यालय पदमपुर, जिला श्रीगंगानगर (राज॰) mansihasihag153@gmail.com

संक्षेप

AI जिसे कुछ लोग औद्योगिक क्रान्ति के रूप में जानते है। 21वीं सदी में मानव जाति पर, औद्योगिक, सामाजिक, आर्थिक परिवर्तनों पर AI का प्रमुख प्रभाव रहा है। आधुनिक AI का हमारे काम करने के तरीके और हमारे सामाजिक सम्बन्धों पर बहुत बडा प्रभाव देखने को मिलता है। AI का सामाजिक सम्बन्धों पर प्रभाव हमारे सामने चुनौति के रूप में उभर कर आया हैं, इस चुनौति का सामना करते हुये AI जैव नैतिकता के नये सिद्धान्तों पर विचार किया जाना चाहिये और AI तकनीक के लिये दिषा निर्देष प्रदान करने चाहिये ताकि दुनिया इस नई बुद्धिमता की प्रगति से लाभान्वित हो सके। मानव समाज ने पाया है कि AI की मदद से दैनिक जीवन कई कठिनाइयों को कम किया जा सकता है। मनुष्य अपने कार्य को AI व उनके द्वारा आविष्कृत उपकरणों के माध्यम से बेहतर, तेज, सम्राट और अधिक प्रभावी ढंग से पुरा कर सकता है। AI का नकारात्त्मक प्रभाव भी है जैसे AI से एक बहुत बडा सामाजिक परिवर्तन होगा जो मानव समुदाय में हमारे रहने के तरीके को बाधित करेगा। मानवीय निकटता धीरे–धीरे कम होती जायेगीं। बेरोजगारी भी एक बडी चुनौति बन जायेगी क्योंकि बहुत से कार्यों की जगह मषीनें ले लेगीं। AI का मानव समाज पर सकारात्मक रूप से यह प्रभाव रहेगां कि कोई भी समस्या का तेज ओर सटीक निदान मिलेगा, मानव थकान से सम्बन्धित त्रुटि भी कम होगी। अतः AI का समाज पर सकारात्मक प्रभाव मानव जीवन के विकास को सम्भव बनाता है, वही नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के खिलाफ चुनौति बन गया है इसलिये AI तकनीक को अत्यधिक सावधानी के साथ आगे बढाया जाना चाहिये।